

होह् (statt des praet.) के च न । निरुद्योगौ तदा भूत्वा विजह्राते ऽमरा-
 विव ॥ MBH. 1, 7713. 7634. 3, 11964. R. 1, 34, 1. 2, 113, 25. 4, 9, 21. KA-
 THĀS. 18, 264. MĀRK. P. 17, 22. इन्द्रसेनस्य जननी कुपिता मां शयपुरा ।
 यदा MBH. 3, 2842. यदाकिंचिन्नो ऽहं ह्यिष इव मदान्धः समभवम् Spr.
 2347. 2350. fg. 2357. KATHĀS. 18, 138. 24, 76. RĀĠĀ-TAR. 6, 217. नाप्य-
 गमन्यदा तत्र भागार्थं सर्वदेवताः R. 1, 60, 11. KATHĀS. 20, 73. RĀĠĀ-TAR.
 3, 23. कामधेनुं वसिष्ठो ऽसौ न तत्याज यदा मुनिः R. GORR. 1, 55, 1. KA-
 THĀS. 18, 295. HIT. 58, 12. यदा ते मोक्षकालिलं बुद्धिर्व्यतितरिष्यति BHAG.
 2, 52. fg. MBH. 3, 2629. 15656 (यदा द्रष्टास्पर्शुं ed. Bomb.). R. 1, 8, 18.
 48, 32. 2, 70, 15. R. GORR. 2, 10, 6. R. ed. Bomb. 3, 4, 17. KATHĀS. 1, 61.
 18, 341. 22, 141. 34, 37. HIT. I, 32. यदा शरानर्पयिता तवोरसि तदा मनस्ते
 किमिवाभविष्यत् MBH. 3, 15657. KATHĀS. 1, 60. एतोस्त्वभ्युदितान्विद्याद्यदा
 प्राडुष्कतामिषु M. 4, 104. 6, 2, 7, 169. fgg. 181. 183. 8, 9, 130. MBH. 3,
 2631. 5, 1832 (nach der Lesart der ed. Bomb.), तदा mit condit. im Nach-
 satz). R. GORR. 1, 64, 19. 2, 8, 16. ÇRUT. 30. BUĀG. P. 5, 8, 11. यदा भवद्दिधः
 तत्रियं याज्ञयेन्नावकल्पयामि न मर्षयामि P. 3, 3, 147. VĀRTT., Sch. Vop.
 23, 13. यदा मे मरणां भूयात्तदा मा भूत्स्मृतिधमः HARIV. 14673. Häufig ist
 die Copula zu ergänzen, insbes. nach einem partic. praet. auf त R. 1,
 4, 8. यदा त्वयं गतं सर्वं तदा विष्णुः — अक्षरत् 43, 47. 3, 66, 2. स्मरसि ननु
 यदा परैर्हृतः स च धृतराष्ट्रमुतो ऽपि मोक्षितः MBH. 8, 1743 (vgl. dagegen
 स्मरसि ननु यदा — जिताः स्य गोपह् 1745). Spr. 2332. यदा तु पूर्ववृत्त-
 मन्यसङ्गाद्धिस्मृतौ भवान् । तदा कथमधर्मभीरुः ÇĀK. 71, 3. KATHĀS. 31, 139.
 तद्याप्यप्रत्ययस्तेषां यदा सीता तदाभ्यधात् 31, 76. पत्रं नैव यदा करीर-
 विष्टे देवो वसन्तस्य किम् Spr. 1688. 2349. 2333. 4810. NAISH. 22, 55.
 यदा श्रोकारस्तदा सर्वदेशो यदा स्यात् PAT. zu P. 8, 2, 89. Schol. zu P. 6,
 1, 196. SIDDH.-K. zu P. 7, 1, 68. ÇRUT. 14. यदा in Verbindung mit andern
 Relativen: यो यदैषां गुणो देहे साकल्येनातिरिच्यते M. 12, 25. यो ऽस्ति
 यस्य यदा मांसमुभयोः पश्यतात्तरम् Spr. 2332. यदा mit इद्: यदैर्देवीरसं-
 क्लिष्टमाया अत्राभवत्केवलः सोमो अयं RV. 7, 98, 5. 10, 88, 11. यदैव —
 तदैव ÇĀK. 111, 3. यदैव खलु — तदा प्रभृत्पेव 79, 14. यदा प्रभृति — तदा
 प्रभृति R. 3, 1, 20. यदा यदा *quandocumque, so oft* — तदा तदा oder einfach
 तदा BHAG. 4, 7. KATHĀS. 23, 216. 34, 154. HIT. 58, 9. das einfache यदा
 mit verdoppeltem verbum finitum dass. Spr. 2336. यदा कदा च सुनवाम
 सोमम् *so oft* RV. 3, 53, 4. यदा कदा चित् *jederzeit* KAUC. 94. — यदा MBH.
 1, 5398 in beiden Ausgg. fehlerhaft für पदा.

यदात्मक (यद् + आत्मन्) adj. *wessen (rel.) Wesen habend* BHAG. P. 9,
 6, 36. ÇĀK. zu KHĀND. UP. S. 72.

यदावाज्ञदावर्ष m. N. eines Sāman Ind. St. 3, 230, a. — Vgl. वाज्ञदावर्ष.

यदि (von 1. य) conj. oft gedehnt im Veda; vgl. VS. PĀT. 3, 128.

Einfluss auf den Ton des verbi finiti P. 8, 1, 30. 1) *wenn* AK. 3, 3, 12.
 H. 1342. mit ind., conj., pot. und fut. in der älteren Sprache; ge-
 wöhnlich einfacher Nachsatz ohne Partikel: यज्ञाम देवान्यदि शक्नवाम
 RV. 1, 27, 13. आ वां गम्यदि अर्वत् 30, 8. 178, 3. 3, 31, 6. यदि च तिष्ठसि
 यदि च शयसि AIR. BR. 2, 2. AV. 10, 3, 6. यदि तन्नेव कुर्यथ RV. 1, 161, 8.
 यदि स्तुतस्य महतो अद्योथ 7, 56, 15. 104, 14. अद्या मुनीय यदि यातुधानो
 अस्मि 15. ÇĀT. BR. 1, 1, 9. 6, 4, 15. AV. 1, 16, 4. 5, 8, 6. 6, 124, 2. KHĀND.
 UP. 6, 16, 1. 2. पय्यनुस्मरेयुः ÇĀT. BR. 13, 8, 1, 2. यदिच्छेत् KĀTJ. ÇĀ. 2, 6,
 34. यदि मन्येत ÇĀKĀH. ÇĀ. 14, 14, 4. ĀÇV. GRHJ. 1, 9, 3. यदि न विन्देत् 3,

8, 2. TAITT. UP. 1, 11, 3. यदि विवदिष्येते ÇĀKĀH. ÇĀ. 14, 29, 2. 40, 4. 50, 5.
 यदि चित् AV. 5, 2, 4. यदि क्व वै AIR. BR. 2, 2. यदीत् AV. 4, 27, 6. पय्यु वै
 GOBH. 1, 8, 3. 4, 1, 13. In den nachvedischen Schriften a) mit praes.; im
 Nachsatz a) praes. M. 3, 102. 8, 233. 12, 20. fg. R. 1, 61, 13. 63, 11. ÇĀK.
 67. Spr. 1673, v. l. 2366. 2368. KATHĀS. 54, 96. mit अयं RV. PĀT. 11, 23.
 mit तद् MBH. 3, 2328. KATHĀS. 22, 111. 30, 9. mit ततम् Spr. 2363. mit
 तदा 2367. LA. (II) 6, 5. 7, 18. mit तर्हि 27, 12. — β) fut. MBH. 3, 2861.
 fgg. 15715. 5, 7362. R. 2, 63, 4. 78, 23. 5, 9, 43. mit ततम् RAH. 3, 65.
 mit तदा HIT. 40, 17. mit तर्हि LA. (II) 4, 3. — γ) Participialfut. MBH.
 7, 2606. — δ) imperat. MBH. 3, 2171. 2435. 2688. 2714. 2982. fg. 4812.
 5, 7125. R. 1, 9, 33. R. GORR. 1, 22, 16. Spr. 2373. 4819. mit तद् KATHĀS.
 11, 58. 48, 161. mit तर्हि ÇĀK. 113, 5, v. l. — ε) potent.: पुत्रिकायां कृ-
 तायां तु यदि पुत्रो ऽनुजायते । समस्तत्र विभागः स्यात् M. 9, 134. इदमन्धं
 तमः कृत्स्नं जायते भुवनत्रयम् । यदि शब्दाक्षयं ज्योतिरासंसारं न दीप्यते
 (= दीप्यते) ॥ Spr. 3743. 3891. 4816. KATHĀS. 16, 72. 18, 189. GĪR. 4, 19.
 यदि वेद न याचेत BHAG. P. 6, 10, 6. mit तस्मात् Spr. 1397. — ζ) kein
 verbum finitum: आख्यातव्यं तु तत्समै पृच्छते यदि पृच्छति M. 11, 17.
 Spr. 4811. RĀĠĀ-TAR. 4, 338. तस्य तत्काल्प्यं लुब्ध विद्यते यदि कि-
 ल्वियम् MBH. 13, 36. यदि दक्षत्यनलो ऽत्र किमद्भुतम् Spr. 2360. 3713.
 ÇĀK. 123. ÇRUT. 18 (भवति यदि या — सा). mit ततम् PAT. zu P. 6, 4, 159.
 mit तर्हि Schol. zu P. 6, 4, 11. PRAB. 18, 4. SARVADARÇANAS. 92, 20. mit तदा
 133, 2. HIT. 21, 22. mit तदानीम् ÇRUT. 22. — b) mit fut.; im Nachsatz a) fut.
 MBH. 3, 2163. 2488. 2845. 5, 7362. R. GORR. 2, 10, 7. BUĀG. P. 4, 14, 12. mit त-
 तम् HARIV. 7294. 9978. mit तद् PĀKĀT. 229, 13. — β) praes. R. 2, 61, 11. mit
 ततम् PĀKĀT. 5, 6. — γ) kein verbum finitum: तद्दुःखं यदि कौसल्या
 वीरसूर्विनशिष्यति R. 2, 31, 15. यदि — ततः परम् Spr. 4833. — c) mit
 dem Participialfut., im Nachsatz das andere fut. MBH. 3, 2827. — d)
 mit potent.; im Nachsatz a) potent. M. 2, 223. 243. 3, 61. 108. 111. 7, 108.
 8, 90. 184. MBH. 3, 2099. 2559. 5, 7034. fg. 6, 5825. 12, 430. 13, 43. 14, 244.
 HARIV. 9714. BHAG. 1, 46. 11, 12. DAÇ. 2, 60. R. 2, 78, 22. 4, 46, 13. 57, 17.
 5, 1, 67. 31, 39. 45, 17. 6, 23, 29. 7, 35, 10. MEGH. 62. 93. Spr. 2656. 2833.
 3026. 3234. 4820. KATHĀS. 103, 166. BUĀG. P. 4, 26, 15. mit ततम् R. 4,
 9, 99. Spr. 2361. 2840. KATHĀS. 18, 18. 22, 83. 31, 121. mit तद् 4, 15. 5,
 89. Spr. 2372. 2393. mit तदा 2364. Schol. zu P. 7, 1, 24. mit अयं Spr.
 2760. mit तर्हि SARVADARÇANAS. 66, 6. 120, 11. — β) condit. mit potent.
 abwechselnd Spr. 4813. fg. — γ) praes. R. 4, 20, 9. 7, 94, 14. Spr. 1364.
 KATHĀS. 52, 101. BUĀG. P. 10, 77, 18. PRAB. 89, 3. mit तद् Spr. 2371. — δ)
 imperat. MEGH. 61. — ε) fut. R. 3, 65, 9. — ζ) Participialfut. MBH. 7,
 2605. — η) kein verbum finitum MBH. 3, 2737. R. 1, 11, 15. ÇRUT. 13.
 Spr. 133, v. l. 2386. 3082. KATHĀS. 39, 135. H. 1240. fg. mit तद् KATHĀS.
 22, 81. 30, 5. 53, 131. mit तदा R. 4, 62, 7. mit ततम् MĀRK. P. 18, 43.
 mit तर्हि SARVADARÇANAS. 79, 8. fg. — e) mit condit.; im Nachsatz a)
 condit. MBH. 7, 6579. R. 4, 12, 37. KATHĀS. 7, 12. 34, 26. 33, 75. mit न च
 MBH. 13, 4797. mit तद् KATHĀS. 49, 120. 63, 77. mit ततम् P. 3, 3, 140, Sch.
 — β) potent. MBH. 7, 3069. mit तद् KATHĀS. 63, 62. mit ततम् MĀRK. P.
 119, 11. — γ) aor. MBH. 13, 12. — f) mit imperf.; im Nachsatz a) condit.
 MBH. 8, 3384. — β) potent.: यद्येतद्गुणं कर्म न स्म मे ऽकथयः स्वयम् ।
 फलेन्मूर्धा स्म ते राजन्सथः शतसकृन्धा ॥ DAÇ. 2, 21. — g) mit aor.; im